जय काली जय काली जय काली माँ

जय,,, जय जय माँ, जय,,, जय जय माँ lll
जय काली,,, कलकत्ते वाली,,,
तूँ ही माँ दुर्गा,,, तूँ महाँकाली,,, l
(जय काली, जय काली, जय काली माँ xll -ll)
*तूँ ही दुर्गा,,, तूँ ही अम्बे,,, ll,
तूँ ही झंडेवाली माँ,,,
जय काली, जय काली, जय काली माँ xll

काल कालिका, रूप तुम्हारा, मुंडन की गले माला है ll
माँ मुसकाए, नागिन जैसी, बरसे नैनो से ज्वाला है l
*चंचल चप्पला, सी चम चम चम ll,चमके भुजा में भुजाली माँ,
जय काली, जय काली, जय काली माँ xll

रण में बनकर, रण चंडी माँ, दुष्टों को ललकार रही ll
लाल लहू से, लसी हुई, लट लट काली फटकार रही l
*लप लप चिप्प्या, लपकाए माँ ll, पिए लहू की प्याली माँ,
जय काली, जय काली, जय काली माँ xll

शुम्भ निशुम्भ को, मारा तूने, हाथ करोड़ों फैला के ll
माँ काली के, क्रोध से सारे, राक्षस भागे थर्रा के l
*महिषासुर को, मारने वाली ll, तूँ अम्बे बलशाली माँ,
जय काली, जय काली, जय काली माँ xll

जब जब आई, क्रोध में माँ तूँ, शिव ने भार सँभाला है ll
लेट गए, चरणों में शँकर, देख के रूप विशाला है l
*जिहभा निकल, आई मईया की ll, शांत हुई तूँ काली माँ,
जय काली, जय काली, जय काली माँ xll
अपलोडर- अनिलरामूर्तीभोपाल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/21424/title/jai-kali-jai-kali-jai-kali-maa

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |